हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 133 देहरादून, शनिवार, 12 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

ई सत्यापन नज़रअंदाज़ मत करना वरना इंकम टैक्स वाले आ जायेंगे, 382 को नोटिस जारी कर दिया इन्होंने 3

जब जनता का असली हीरो 'पुष्कर धामी' पहुंचा फिल्म वालों के फेस्टिवल में !

सातवां देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2022 शुरू, मुख्यमंत्री धामी ने फेस्टिवल में पहुंचकर बढ़ाया प्रतिभागियों का हौसला

संबंधित पेज-8 पर भी

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,11 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सिल्वर सिटी में सातवें देहरादून अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में फिल्म निर्माता शूटिंग के लिए उत्तराखंड आ रहे हैं। फिल्म निर्माण के लिए राज्य सरकार

■ आयोजक राजेश शर्मा के प्रयास को मिली मुख्यमंत्री की सराहना

द्वारा बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फिल्मकारों के हित में फिल्मांकन की स्वीकृति हेतु ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध करायी गई है। अब एक सप्ताह में फिल्मांकन की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड आने वाले समय में फिल्म मेकर्स का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देहरादून- दिल्ली एलिवेटेड एक्सप्रेस वे से दिल्ली से देहरादून का सफर महज दो से ढाई घंटे में किया जा सकेगा। उत्तराखण्ड अध्यात्म व योग की धरती है। प्रदेश का लगभग 70 प्रतिशत भूभाग प्राकृतिक सुंदरता व वनों से घिरा हुआ है जो फिल्मांकन के लिये अनुकूल है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल, विधायक श्री सुरेश गड़िया, फिल्म निर्माता निर्देशक श्री मधुर भंडारकर, रोहित राय, करण प्रधान, अभिनेत्री रूपा गांगुली, दीपा चिखलिया, हास्य कलाकार एहसान कुरैशी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने विकास पुस्तिका ''संकल्प नये उत्तराखण्ड का'' किया विमोचन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को गढ़ीकेंट स्थित गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज में राज्य स्थापना की 22 वीं वर्षगांठ के अवसर पर सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित विकास पुस्तिका ''संकल्प नये उत्तराखण्ड का'' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नियोजन विभाग की पुस्तिका अग्रगामी उत्तराखण्ड का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी आईटीडीए द्वारा विकसित नागरिक केंद्रित परियोजना अपणि सरकार पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन मोबाइल एप्प Dark Lake, CM Helpline Mobile App, ITDA-CALC, SDWAN परिवहन विभाग की स्टेज कैरेज वाहनों का ऑनलाइन टैक्स, ई चालान, सॉफ्टवेयर, आनलाइन, अस्थाई परमिट, रूट परमिट आवेदन निर्गत किये जाने, व्यावसायिक वाहनों का पंजीकरण ट्रेड सर्टिफिकेट, ऑनलाइन आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन फीस भुगतान, फ्लीट मैनेजमेंट सिस्टम, हमसफर एप्प के साथ ही पंचायती राज विभाग की न्याय पंचायत स्तर पर भारत मनी स्टोर, पंचायत फेसिलिटेशन सेंटर तथा पंचायती राज्य निदेशालय में ई ऑफिस प्रणाली का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विभागों द्वारा जनहित को ध्यान में रखते हुए जो भी ऑनलाइन व्यवस्थायें, पोर्टल एप्प आदि तैयार किये गये हैं वे मात्र औपचारिक बन कर

न रहे बल्कि इनका व्यापक लाभ आम जनता को सुलभता से उपलब्ध हो। यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। सभी विभाग इस पर विशेष ध्यान दें।

मुख्यमंत्री ने मीडिया को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि मीडिया जहाँ एक ओर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों को जनता के मध्य ले जाने का कार्य करती है, वहीं दूसरी ओर जनहित के मुद्दों और आम लोगों की समस्याओं की ओर भी सरकार का ध्यान आकर्षित करती है। मीडिया द्वारा प्रदेश के विकास में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाये जाने की भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की 22 वर्षों की यात्रा के बाद उत्तराखण्ड राज्य ने कई उपलब्धियां हासिल की है, लेकिन अभी हमारे समक्ष बहुत सी चुनौतियां हैं जिनका सफलतापूर्वक सामना करते हुए हमें देवभूमि को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। हमें अपनी चुनौतियां का पता है, तथा अपनी शक्तियों पर भी हमें पूरा विश्वास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिये मंथन एवं चिंतन शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें आने वाले विचार एवं सुझाव राज्य की ग्रोथ रेट राजस्व वृद्धि आदि के साथ राज्य हित में हम क्या बेहतर कर सकते हैं, इसकी राह प्रशस्त भी होगी तथा हमारी बेस्ट प्रेक्टिस हमें देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में सधे एवं सीधे रास्ते पर चलकर विकास की मंजिल तक पहुंचने का हमारा निरंतर प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार तथा राज्य के दुर्गम व सीमान्त क्षेत्रों का सतुंलित विकास जहां हमारी चुनौतियां हैं वहीं हमारी मेहनती मातृ शक्ति, युवा शक्ति, प्राकृतिक सौन्दर्य, वन सम्पदा, समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

कार्यक्रम में विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार ने विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यकलापों की जानकारी दी तथा महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया तथा पंचायती राज विभाग की योजनाओं की जानकारी दी, जबकि सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी एवं निदेशक आईटीडीए अमित सिन्हा द्वारा अपने विभागों से संबंधित लोकार्पित की गई योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, रेखा आर्या, चंदन रामदास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सांसद कल्पना सैनी, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक सविता कपूर, राम सिंह कैड़ा, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, नियोजन सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली के साथ ही अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत के इस गांव में सब कुछ है उल्टा पुल्टा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 11 नवम्बर। विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं और परम्पराओं के लिए देश भर में विशिष्ट पहचान बनाने वाला मध्य प्रदेश अपनी आदिवासी जनसंख्या के लिए भी जाना जाता है। मध्य प्रदेश में विभिन्न जनजातियों के लोग आज भी अपनी आदिम संस्कृति को सहेजे और समेटे हुए हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण और प्रमुख जनजाति है गोंड। गोंड को आस्ट्रोलायट नस्ल और द्रविड़ परिवार की जनजाति माना जाता है। यह मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी जनजाति है

आपने दुनिया भर की घड़ियों को देखा होगा. लेकिन छत्तीसगढ़ के इस गांव की घड़ियां आपको भी कंफ्यूज कर देंगी. दरअसल इस गांव की प्रथाओं के मुताबिक यहां पर घड़ी के कांटे उलटी दिशा में चलते हैं. इतना ही नहीं यहां पर रात को 12 बजे के बाद एक नहीं बल्कि 11 बजते हैं. इस गांव में घड़ियां आम घड़ियों की तरह बाईं से दाएं तरफ न चलकर दाएं से बाईं तरफ चलती हैं. इसका मतलब है कि यहां की घड़ियां एंटी क्लॉकवाइज चलती हैं. इस प्रथा का पालन करने वाले गोंड आदिवासी समुदाय के लोग कहते हैं कि उनकी घड़ी सही चलती है.

इस समुदाय ने अपनी घड़ी का नाम भी रखा हुआ है. बता दें कि इनकी घड़ी गोंडवाना टाइम कहलाती है. ये लोग कहते हैं कि धरती दाएं से बाईं दिशा में घूमती है. इसके अलावा चांद हो या सूरज या फिर तारे, सभी इसी दिशा में घूमते हैं. यही कारण है कि इस समुदाय के लोगों ने घड़ी की दिशा ऐसी रखी हुई है. ऐसी एक और प्रथा है जिसके बारे में जानकर आप सभी हैरान रह जाएंगे.गोंड समुदाय के लोगों का शादी करने का तरीका भी कुछ अलग है. इस समुदाय में दूल्हा-दुल्हन के फेरे भी आम लोगों से उलटी दिशा में लिए जाते हैं. इस समुदाय के लोग महुआ और परसा जैसे पेड़ों की पूजा करते हैं. आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ के इस इलाके में करीब 10,000 परिवार रहते हैं.

गोंड संस्कृति को जानिए

गोंड समूह अपने रीति-रिवाजों व परम्पराओं से बंधा हुआ है। जन्म से लेकर मृत्यु तक कई परम्पराओं को आज भी निभाते चले आ रहे हैं। अन्य जनजातियों की तरह गोंडों में भी स्त्री-पुरुष दोनों को बराबरी का दर्जा मिला हुआ है। पर्दा प्रथा से दूर गोंड नारी अपना जीवनसाथी चुनने में भी पूरी तरह स्वतंत्र होती है। आधुनिक समाज के विपरीत आदिम समाज में आज भी महिलाओं को सम्मानित समानता का दर्जा प्राप्त है। गोंड परिवारों में विवाह की अलग-अलग प्रथाएं प्रचलित हैं जो अत्यंत रोचक होती हैं। गोंडों में लमसेना विवाह किया जाता है, जिसमें युवक एक निश्चित समय तक अपने ससुर के खेत में मजदूरी करता है। सेवा का समय पूरा हो जाने के बाद ही युवक-युवती का विवाह किया जाता है।

सन्डे को ही क्यों होती है छुट्टी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आपने कभी सोचा है कि रविवार को ही ऑफ क्यों होता है / आखिर रविवार को ही स्कूल , दफ्तर और बाज़ार क्यों बंद रहते हैं ? इसका जवाब आप नहीं जानते हैं तो हम आपको बता रहे हैं। नौकरी पेशा हो या फिर व्यापारी या कोई भी अन्य काम करते हो छुट्टी की आवश्यकता सबको होती है। आपने अधिकतर देखा होगा की रविवार का दिन छुट्टी के लिए सबसे ज्यादा चुना गया है। ऑफिस, बैंक , सरकारी कार्यालय हो या स्कूल सब रविवार को ही सब छुट्टी मनाते है। पर ऐसा क्यों है इसका जवाब बहुत कम लोगों को ही मालूम होगा।

ईसाई धर्म के अनुसार तो ईसाई धर्म के लोग एसा मानते है की जब भगवान इस दुनिया को बना रहे थे तब उन्होंने लगातार 6 दिन तक काम किया था तब जाकर यह धरती बन पाई थी. इतना काम करते-करते वो थक गए थे जिसके कारन उन्होंने 7 वे दिन आराम करने का फैसला किया. यह 7 वाँ दिन ही रविवार था. इस वजह से वो लोग सप्ताह के आखिरी दिन यानि की रविवार को holiday के रूप में मनाने लगे.

भारत में Sunday की छुट्टी कब शुरू हुई?

यह तब की बात है जब भारत अंग्रेजों का ग़ुलाम था. उस दौरान ब्रिटिश सरकार सभी काम भारत के मज़दूरों से करवाते थे. इन मज़दूरों को एक भी दिन छुट्टी नहीं मिलती थी और लगातार काम करना पड़ता था जबकि ब्रिटिश के सरकारी अफसरों को रविवार की छुट्टी दी जाती थी. ब्रिटिशो के इन्ही जुल्म के कारन मज़दूरों के यूनियन लीडर "नारायण मेघाजी लोखंडे" ने ब्रिटिश सरकार को हप्ते के आखिरी दिन छुट्टी रखने की दरखास्त की लेकिन अंग्रेजी हुकूमत ने यह फरमान ठुकरा दिया.जब ब्रिटिश सरकार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया तब "नारायण मेघाजी लोखंडे" मजदुर भाईओ को साथ लेकर लगातार 7 सालों तक संघर्ष किया तब जाकर ब्रिटिश सरकार ने 10 जून 1880 के दिन रविवार को छुट्टी का दिन घोषित किया.

हिन्दू मान्यताओं के अनुसार सप्ताह का आरम्भ रविवार से होता है, यह दिन भगवन सूर्यदेव का दिन माना जाता है। सूर्यदेव को सभी ग्रहों का स्वामी माना जाता है इसलिए इस दिन पूजा पाठ करने से सभी ग्रहों की कृपा दृष्टि बनी रहती है। ये धरना प्राचीन काल से चली आ रही है। ये तो हिन्दू धर्म की बात अब ईसाई धर्म में रविवार को सप्ताह का आखिरी दिन माना जाता है और ये मान्यता है की ईश्वर ने सप्ताह के 6 दिन धरती के सृजन कार्य किया और सातवे दिन आराम किया था।इसी वजह से अधिकतर देशों में रविवार का दिन छुट्टी के लिए तय किया गया और साथ ही इसे वीकेंड का नाम भी दिया गया है। ईसाई धर्म के अनुसार इस दिन काम करना अशुभ माना जाता है।

डीएम सोनिका के निर्देश पर 16 बालक/ बालिकाओं को भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवंबर। जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशों के क्रम में भिक्षावृत्ति उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आई एस बी टी व शिमला बाई पास चौक देहरादून से कुल 16 बालक/बालिकाओं को भिक्षावृत्ति करते हुए रेस्क्यू किया गया। जिनमें से 2 बालिकाओं को कूड़ा बीनते हुए रेस्क्यू किया गया व साथ ही में 4 महिलाओं को बच्चो के साथ भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया गया।इस अभियान में जिला प्रोबेशन कार्यालय से संपूर्णा भट्ट ,रश्मि बिष्ट , प्रवीन,समर्पण संस्था से मानसी मिश्रा,टी.एन. जौहर सदस्य विशेष किशोर पुलिस इकाई,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से शमीना, मैक संस्था से जहांगीर आलम, चाइल्ड लाइन से जसवीर रावत, रेलवे चाइल्डलाइन से सविता,आसरा ट्रस्ट से राहुल,एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट से रैना रावत, सहदेव त्यागी, चिकित्सा विभाग से अमन ,जिला बाल कल्याण समिति से प्रीति आदि आदि मौजूद रहे। रेस्क्यू के बाद सभी बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर 14 बच्चों को राजकीय बालिका निकेतन,शिशु निकेतन केदारपुरम व समर्पण खुला बाल आश्रय गृह भेजा गया।

ई सत्यापन नज़रअंदाज़ मत करना वरना इंकम टैक्स वाले आ जायेंगे, 382 को नोटिस जारी कर दिया इन्होंने

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवंबर। आयकर विभाग ने उत्तराखंड में तेरह जिलों में 382 करदाताओं को नोटिस जारी किये हैं। ये नोटिस ई-सत्यापन योजना 2021 के तहत दिए गए हैं। आयकर विभाग की आसूचना एवं आपराधिक अन्वेषण, शाखा देहरादून द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया, जहाँ ये जानकारी दी गयी। ये आयोजन आयकर भवन देहरादून में ई-सत्यापन योजना, 2021 के प्रावधानों पर आयोजित किया गया था।

ई-सत्यापन योजना 2021 के प्रावधानों पर आयोजित इस सेमिनार में ई-सत्यापन जागरुकता पर चर्चा की गयी। इस दौरान आयकर निदेशक आसूचना एवं आपराधिक अन्वेषण, शुमाना सेन ने बताया कि आयकर विभाग ने तेरह जिलों में 382 नोटिस जारी किये हैं। दरअसल आयकर विभाग की ओर से ये नोटिस उन मामलों में दिए गए हैं जिनमे विभाग के पास उपलब्ध सूचना और करदाता द्वारा भरा गया आयकर विवरण यानी रिटर्न दोनों में असमानता पायी गयी थी।

आयकर विभाग द्वारा अब इन नोटिस के जवाब में करदाता को ये अवसर दिया जा रहा है कि वो अपना जवाब दें। जिसके तहत या तो वो मान लें कि दी गयी सूचना सही है और उस आधार पर टेक्स जमा कराकर अपनी आयकर विवरणी (रिटर्न) को अपडेट कर लें। या फिर अपने सारे काग़ज़ लगाकर स्थापित कर दें कि जो सूचना विभाग के पास है वो या तो उनकी नहीं है या फिर वो उस पर पहले ही कर (टेक्स) दे चुके हैं। विभाग का कहना है कि अगर करदाता इन दोनों तरीक़ों को ही ना अपनाएँ और नोटिस का उत्तर ना दें, तब ऐसे में उनके केस में समीक्षा परीक्षण कर निर्धारण व पेनल्टी लगाई जाएगी। इसके अलावा कर वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी।इस सेमिनार में आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिवक्तागण और चार्टर्ड एकाउंटेंट भी उपस्थित रहे।इस सेमिनार में आयकर विभाग के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिवक्तागण एम.के सक्सेना. कमल जुनेजा, राजीव काम्बोज, तुषार सिंघल, अनूप नरूला, सुमित ग्रोवर और वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंटस राजेश गुप्ता, संजय मुनियाल, जसमीत सिंह चौधरी, रोमल जैन,रजत शर्मा,निखिल कुमार, साहिब आनंद, सुश्री तेजिंदर कौर आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज बजट खर्च की सुस्त रफ्तार पर मंत्री धनदा ने लगाई फटकार

मेडिकल कॉलेजों में बजट खर्च न होने पर होगी कार्रवाईः डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवम्बर 2022सूबे के राजकीय मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृत बजट समय पर खर्च करने के जिम्मेदारी संबंधित प्राचार्य एवं वित्त नियंत्रक की होगी जबकि कॉलेजों में निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण करने में लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एनएमसी मानकों के अनुरूप शैक्षणिक पदों, गैर शैक्षणिक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के पदों का ढांचा तैयार कर शीघ्र कैबिनेट में लाया जायेगा।स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज दून मेडिकल कॉलेज के सभागार में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने सूबे के राजकीय मेडिकल कॉलेजों द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये स्वीकृत बजट खर्च करने की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुये संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के लिये स्वीकृति बजट को ससमय खर्च करने की जिम्मेदारी संबंधित प्राचार्य व वित्त नियंत्रक की होगी, यदि बजट खर्च में लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

निर्माण कार्यों में लेटलतीफी पर कार्यदायी संस्थाओं पर होगा एक्शन

एनएमसी मानकों के अनुरूप स्वीकृत होगा मेडिकल कॉलेजों का ढांचा

इसी प्रकार विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति पर भी असंतोष व्यक्त करते हुये विभागीय मंत्री ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि कोई निर्माण कार्यों में किसी कार्यदायी संस्था की लेटलतीफी सामने आती है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। राजकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्मिकों की कमी को पूरा करने के लिये उन्होंने एनएमसी मानकों के अनुरूप टीचिंग एवं अन्य आवश्यक कार्मिकों का ढांचा तैयार कर कैबिनेट में लाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेजों हेतु सहायक प्राध्यापक की न्यूनतम आयु सीमा में संशोधन, मेडिकल सुपरिटेंडेंट के पद के वेतनमान वृद्धि संबंधी प्रस्ताव, सीनियर रेजीडेंट का मानदेय बढ़ाने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में वर्षों से कार्यरत कार्मिकों का वन टाइम सेटलमेंट संबंधी प्रस्ताव कैबिनेट में लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने मेडिकल विश्वविद्यालय एवं चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति/सेवास्थानांतरण के आधार पर शीघ्र भरने के निर्देश भी दिये। डॉ0 रावत ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में वर्षों से तैनात 350 से अधिक अल्प वेतनभोगी कार्मिकों को समान कार्य एवं समान वेतन के तहत न्यूनतम वेतनमान देने संबंधी आदेश शीघ्र जारी करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।बैठक में सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 आर0 राजेश कुमार, कुलपति उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो0 हेमचन्द्र, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा अरूणेन्द्र सिंह, गरिमा रौंकली, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 आशुतोष सयाना, प्राचार्य श्रीनगर मेडिकल कॉलेज डॉ0 सी0एम0एस0 रावत, प्राचार्य हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज डॉ0 अरूण जोशी, प्राचार्य अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज डॉ0 सी0पी0 भैसोड़ा, संयुक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 एम0के0 पंत सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पौड़ी में नई पारी के आगाज़ में एसएसपी श्वेता चौबे का ताबड़तोड़ निर्देश, जन सुरक्षा प्राथमिकता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 11 नवम्बर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनपद के थानों पर मौजूद सिटी प्रट्रोलिंग, हिल प्रेट्रोलिंग, डायल-112 आदि वाहनों से लिए जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में बैठक ली और निर्देश भी जारी किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक संचार, प्रतिसार निरीक्षक रेडियो, एस0सी0एम0टी0 परिवहन शाखा, पी0आर0ओ0, वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जनपद में उपलब्ध, सिटी प्रट्रोलिंग, हिल प्रेट्रोलिंग, डायल-112 आदि वाहन, जो पुलिस की उपस्थिति एवं उपलब्धता को दर्शाते हैं, के द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये गये। आइए जानते है धाकड़ धामी सरकार में बेहतरीन पुलिसिंग की कमान सम्हाल रही आईपीएस श्वेता चौबे ने पौड़ी में अपने शुरुआती पारी में इफेक्टिव पुलिसिंग के लिए क्या निर्देश दिए है।

जनपद के थानों पर मौजूद सिटी प्रट्रोलिंग, हिल प्रेट्रोलिंग, चीता आदि वाहनों की कोडिंग प्रतिसार निरीक्षक रेडियो द्वारा की जायेगी। उक्त वाहनों की प्रत्येक घण्टे की लोकेशन लॉगबुक में नोटकर कार्यवाही करेंगे। थाना क्षेत्रों में उपरोक्त वाहनों द्वारा किये जा रहे कार्यों की क्विक रिस्पोन्स टाइम को कम कर कार्यो में पारदर्शिता लायेंगे। जनपद के थाना पौड़ी, श्रीनगर, कोटद्वार में चीता वाहन अवश्य रुप प्रत्येक दिवस चलायमान स्थिति में रहेंगे।जनपद के थानों पर मौजूद वाहन डायल-112 द्वारा क्विक रिस्पोन्स टाइम देकर प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार तत्काल निवारण करेंगे। जनपद के प्रत्येक थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में प्रत्येक दिवस भ्रमण के दौरान अपनी-अपनी लोकेशन उपलब्ध करायेंगे।जनपद के थाना कोटद्वार, श्रीनगर, पौड़ी में मौजूद महिला हेल्प डेस्क की स्कूटियों को "PINK UNIT" नाम दिया जायेगा। "PINK UNIT" में नियुक्त कर्मचारियों का कार्य थाना क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूल कॉलेजों में छात्र-छात्राओं की छुट्टी के समय स्कूल कॉलेज परिसर के बाहर मौजूद रहकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाने का कार्य करेंगे साथ ही थानों पर मौजूद डायल-112 वाहन भी उक्त कार्य थाना क्षेत्र के स्कूल कॉलेजों में करेंगे।रेडियो निरीक्षक "PINK UNIT" स्कूटियों की लोकेशन लॉग बुक में नोट कर "PINK UNIT" में नियुक्त कर्मचारियों की प्रत्येक घण्टे लोकेशन लेकर प्रत्येक दिवस उनके कार्यो का विवरण उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।इस गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला, रेड़ियो निरीक्षक मनोज पाण्डे, वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार, पी0आर0ओ0 मुकेश गैरोला, एस0सी0 एम0टी0 परिवहन शाखा विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

एसपी चमोली प्रमेन्द्र डोभाल ने पुलिस लाइन का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोपेश्वर,11 नवंबर। चमोली के पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल नेपुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई। इसके बाद पुलिस लाइन में सर्वप्रथम गार्द की सलामी ली गयी।इसके बाद शस्त्रागार, स्टोर कार्यालय, मनोरंजन कक्ष, पुलिस मॉर्डन बैरक, भोजनालय, दूरसंचार रेडियो केंद्र, पुलिस चिकित्सालय, आरओ प्लान्ट,जिम,पुलिस लाइन मन्दिर व पुलिस लाइन आवासीय परिसरों आदि शाखाओं का निरीक्षण किया।

एसपी डोभाल ने इस दौरान पुलिस लाइन शाखाओं को कई बड़े दिशा निर्देश दिये आइए जानते हैं –

★ गणना कार्यालय के निरीक्षण के दौरान ड्यूटी रजिस्ट्रर, कर्तव्य रजिस्ट्रर , साप्ताहिक अवकाश आदि रजिस्टर/पत्रावालियों का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी रोस्टर तैयार कर उसी के तहत ड्यूटी लगाने हेतु निर्देशित किया गया।

★ शस्त्रागार के आर्म-एम्युनिशन का निरीक्षण करते हुए शस्त्रों की नियमित रूप से साफ-सफाई किए जाने व वार्षिक फायरिंग में सभी अधिकारी/कर्मचारियों की फायरिंग करवाए जाने हेतु निर्देश दिए गए।

★ जी0डी0 कार्यालय के अभिलेखों का अवलोकन कर उन्हें अपडेट रखने हेतु निर्देशित किया व कैश कार्यालय में शेष धनराशि के विवरण की जानकारी ली गई।

★ स्टोर कार्यालय से पुलिस कर्मियों को आंवटित की जाने वाली वर्दी, टोपी, जूते आदि किट सामग्री को नियमानुसार वितरण करने, स्टोर कार्यालय से थानों को आवंटित की गई सरकारी संपत्ति का जी0पी0 लिस्ट से मिलान कर भौतिक सत्यापन करने, पुरानी सामग्री को

नियमानुसार नीलाम करवाने हेतु निर्देशित किया गया।

★ परिवहन शाखा के अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए वाहनों के माइलेज सम्बन्धी जानकारी ली गयी तथा प्रत्येक वाहन की काज डायरी को समय-समय पर अपटेड रखने, वाहनों की पर्याप्त मेंटेनेंस रखने हेतु निर्देशित किया गया।

★ पुलिस भोजनालय के निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन प्रदान करने, साफ बर्तनों का प्रयोग करने, साफ-सफाई रखने व साप्ताहिक मेन्यू चार्ट रखने हेतु निर्देशित किया

★ मॉर्डन पुलिस बैरक का निरीक्षण करते हुए बैरक में अनुशासन बनाये रखने व बैरक के आस-पास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया।

★ पुलिस जिम में रखें उपकरणों का निरीक्षण करते हुए महोदय द्वारा पुलिस कर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं फिटनेस बनाए रखने के लिए नियमित रूप से क्रिकेट, फुटबाल, बालीबाल आदि खेलों के साथ व्यायाम व योगा करने हेतु निर्देशित किया गया।

उपभोक्ता/सी0पी0सी0 कैन्टीन का निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश।इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन सुश्री नताशा सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रविकांत सेमवाल,यातायात निरीक्षक प्रवीण आलोक एवं समस्त सम्बन्धित शाखा प्रभारी मौजूद रहें।

सीएम हाउस में आत्महत्या और अंकिता हत्याकांड के संदिग्ध वीआईपी का खुलासा हो : ज्योति रौतेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 नवम्बर। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि सीएम आवास के सर्वेंट क्वाटर में युवती द्वारा आत्महत्या करना प्रदेश की भाजपा सरकार पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।

उन्होनें कहा बीजेपी शासित उत्तराखंड में प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा का दावा करने वाली प्रदेश सरकार के राज में प्रदेश की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, ₹बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देनें वाली सरकार में जहां एक ओर प्रदेश की बेटी किरन के हत्यारे रिहा हो गए हैं उस सरकार से कोई उम्मीद भी क्या की जा सकती है, यह एक बहुत बड़ा सवाल है कि यह घटना क्यों हुई तथा क्यों लड़की के परिजनों के आने से पहले पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया?

उन्होनें यह भी कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर पहले दिन से ही अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में लीपापोती का काम किया जा रहा है। भाजपा नेता से जुडे होने के कारण 5 दिन तक अंकिता भण्डारी की गुमशुदगी की रिपोर्ट न लिखा जाना, फिर नियमित पुलिस और राजस्व पुलिस के बीच मामले को उलझाये रखना, दोषियों की गिरफतारी न करना और गिरफ्तारी के बाद दोषियों की कई दिन तक पुलिस रिमांड न लेना, सबूत मिटाने की नीयत से रिसार्ट में तोड़फोड करवाना, पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा पहले तोड़फोड की अनुमति से इंनकार करना तथा बाद में हामी भरना जैसे सारे बिन्दु इस मामले में भाजपा सरकार के हस्तक्षेप की ओर इशारा करता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार अब इतने दिन बाद हत्याकाण्ड के तीन मुख्य आरोपियों पर गैंगेस्टर एक्ट लगाकर अपनी पीठ थपथपा रही है।उन्होनें कहा कि जिस प्रकार अंकिता भण्डारी, किरन नेगी, और अब सीएम सर्वेंट क्वार्टर में हुए हत्याकाण्ड में सरकार का रवैया रहा है उससे इस प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का भारतीय जनता पार्टी का नारा सचमुच में जुमला साबित हुआ है।

आज प्रदेश में महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता भण्डारी जघन्य हत्याकाण्ड से न केवल देवभूमि की अस्मिता कलंकित हुई है अपितु इसका असर बाहर से आने वाले पर्यटकों पर भी पड़ा है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि वनन्त्रा रिसार्ट के मालिक की स्वदेशी आवला कैन्डी फैक्ट्री में लगी आग बचे हुए सबूत मिटाने का एक और षड़यंत्र है।

डीजीपी अशोक कुमार की चेतावनी ड्रग्स की बिक्री न रोकी तो थाना/चौकी प्रभारी होंगे निलम्बित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 नवम्बर। डीजीपी उत्तराखंड अशोक कुमार,ने परिक्षेत्र, जनपद प्रभारियों एवं क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन्स के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) के कार्यों की समीक्षा कर सख्त रुख अपनाते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त करने हेतु Drugs Free Devbhoomi by 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए त्रिस्तरीय एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) का राज्य, जनपद और थाना स्तर पर गठन किया गया है। ड्रग्स के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएं। ANTF को प्रभावी बनाएं। इसमें समर्पित, इच्छुक और सक्षम कर्मियों को नियुक्त करें, जिससे अच्छे परिणाम मिलें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान कई बड़े निर्देश और सुझाव दिए गए हैं आइये जानते हैं वो दिशा-निदेश क्या हैं ?

1. थाना स्तर पर मादक पदार्थों की रोकथाम करना थानाध्यक्ष की नैतिक जिम्मदारी है। यदि राज्य स्तर की टास्क फोर्स किसी थाने क्षेत्र पर जाकर ड्रग्स पकडती है, तो सम्बन्धित थाना प्रभारी की भी जवाबदेही तय की जाएगी।
2. जिला स्तरीय टास्क फोर्स में कर्मठ, लगनशील, कार्यों के प्रति समर्पित पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाए।
3. ड्रग्स पैडलिंग में लिप्त अपराधियों एवं माफियाओं को चिन्हित कर उनपर मादक पदार्थ अधिनियम, PIT NDPS एवं गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही करें। साथ ही इनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गयी सम्पत्ति भी जब्त की जाए।
4. यदि ड्रग्स पैडलर्स के साथ किसी कर्मी की संल्पिता पायी जाती है, तो उसके विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।
5. एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) के कार्यों की पुलिस मुख्यालय द्वारा मासिक समीक्षा की जाएगी।

एसएसपी पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने पहली बार कोटद्वार में लगाया जनता दरबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 11 नवम्बर। अपने नए जिले और नए चुनौतियों को समझते हुए अनुभवी आइपीएस अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने कोतवाली कोटद्वार क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के संग एक गोष्ठी आयोजित कर सभी का परिचय एवं कानून व्यवस्था से सम्बन्धित सुझाव प्राप्त कर कई महत्वपूर्ण सुझाव और निर्देश दिए हैं दिए हैं।

गोष्ठी में उपस्थित स्थानीय/गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कोटद्वार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था, नशे का व्यापार करने वाले नशा तस्करों, जुआ खेलने वालों, नेशनल हाईवे पर आने वाली पार्किंग की समस्याओं एवं अवैध शराब की बिक्री, अन्य नशा तस्करों, जुआ खेलने वालों के सम्बन्ध में सुझाव दिये गये। उपरोक्त समस्याओं एवं सुझावों के निराकरण हेतु उपस्थित सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। कोटद्वार क्षेत्र के लाल बत्ती चौक, गोखले मार्ग, झण्ड़ा चौक, नजीबाबाद चौक आदि में जाम की स्थिति से निदान पाने के लिये सुचारु यातायात व्यवस्था हेतु सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बातचीत करके ट्रैफिक प्लान तैयार करने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। कोटद्वार में अतिक्रमण की प्रमुख समस्या को लेकर अन्य विभाग के सहयोग से इस पर भी कार्यवाही करने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी।

जनपद का कोटद्वार क्षेत्र उत्तर प्रदेश की सीमा बिजनौर से लगे होने के कारण बाहरी प्रदेश के लोगों का यहां आना-जाना रहता है। जिनका पुलिस वैरिफिकेशन कराया जाना अति आवश्यक है। जिससे आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। कोटद्वार क्षेत्र में निवासरत पुलिस पेंशनरों की समस्याओं के निदान हेतु प्रत्येक माह थाने पर मीटिंग करने एवं पेंशनरों द्वारा बतायी गयी समस्याओं के निदान हेतु सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।गोष्ठी में उपस्थित सभी स्थानीय /गणमान्य व्यक्तियों को उत्तराखण्ड़ पुलिस एप्प के माध्यम से भी किरायेदारों का सत्यापन कर पुलिस का सहयोग करने का आग्रह किया गया। जनपद पौड़ी गढ़वाल का कस्बा कोटद्वार एक घनी आबादी वाला शहर है। वर्तमान में वाहनों में वृद्धि होने के कारण यातायात व्यवस्था में और सुधार किये जाने हेतु उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

चोटियों पर बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में बारिश से बढ़ी ठिठुरन...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में गुरुवार को चोटियों पर हिमपात हुआ, जिसके साथ ही निचले इलाकों में वर्षा-ओलावृष्टि भी दर्ज की गई, चोटियों बर्फबारी के बाद प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश में मौसम साफ रहने के आसार हैं हालांकि, तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

अधिकतर इलाकों में मौसम साफ

गुरुवार को औली में सीजन का पहला हिमपात हुआ है, बदरीनाथ-केदारनाथ में भी बर्फबारी हुई है, देहरादून समेत आसपास के क्षेत्रों में भी शाम को बादलों का डेरा रहा और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई। जिससे ठंड बढ़ गई।कुमाऊं में उच्च हिमालय में गुरुवार को दूसरे दिन भी चोटियों पर हिमपात जारी रहा है। मुनस्यारी और धारचूला के निचले इलाकों में वर्षा हुई जबकि बागेश्वर के कपकोट में ओलवावृष्टि हुई है। जिसके चलते सीमांत क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल का इंतजार, चुनौती बरकार

मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल (महोत्सव) नए साल के स्वागत के लिए पहुंचने वाले सैलानियों के बीच खासे आकर्षण का केंद्र रहता है। कोरोना संक्रमण के चलते बीते दो साल महोत्सव का आयोजन नहीं हो पाया।अब सामान्य परिस्थितियों में विंटरलाइन महोत्सव का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने भी कमर कस ली है। हालांकि, महोत्सव के सफल आयोजन के लिए चुनौतियां बरकरार हैं।सबसे बड़ी चुनौती है आयोजन के लिए फंड जुटाने की। क्योंकि,

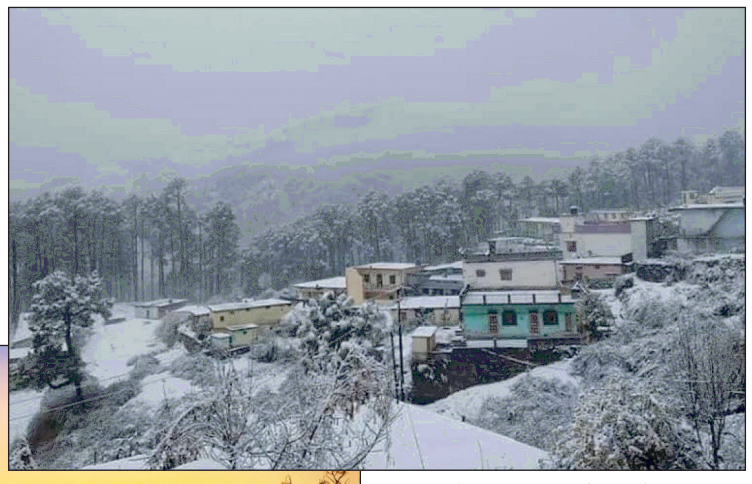

यह आयोजन प्रायजकों से मिलने वाली राशि पर किया जता है और इस पर 80 लाख से एक करोड़ रुपए के बीच खर्च आ जाता है।विंटरलाइन महोत्सव के सफल आयोजन और फंड की चुनौतियों को दूर करने के लिए जिलाधिकारी सोनिका ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी की मौजूदगी में आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अभी महोत्सव की तिथि घोषित नहीं कि गई है, लेकिन पूर्व की भांति इसका आयोजन 25 से 30 नवंबर के बीच किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि महोत्सव में कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम निर्धारित किए जाएं। साथ ही महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले कलाकारों की सूची बनाकर तिथिवार कार्यक्रम निर्धारित किए जाएं।

स्टार कलाकारों समेत राज्य के लोक कलाकारों को करें आमंत्रित

जिलाधिकारी सोनिका ने कहा कि मसूरी में देश-विदेश के पर्यटकों की भी अच्छी खासी आमद रहती है। लिहाजा, स्टार कलाकारों को भी कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाए। साथ ही राज्य के प्रमुख कलाकारों के साथ अन्य कलाकारों की प्रस्तुति भी कराई जाए।महोत्सव को साफल बनाने के लिए प्रायोजकों से फंड जुटाने पर भी बैठक में चर्चा की गई और इस दिशा में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्णय लिया गया। महोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों के स्टाल लगाने से लेकर जनभागीदारी व स्कूली बच्चों से भी सुझाव प्राप्त करने पर चर्चा की गई।

उत्तराखंड के 'स्वर्ग' औली में पहली बर्फबारी, खिले व्यवसायियों के चेहरे...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवम्बर। विश्व प्रसिद्ध हिमस्थल औली व गौरसों बुग्याल में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के बाद औली का नजारा बेहद खूबसूरत लग रहा है। हालांकि अभी औली में हल्की बर्फबारी हुई है, लेकिन नवंबर माह में ही बर्फबारी होने से पर्यटन व्यवसायियों को उम्मीद जगी है।

चमोली जिले में गुरुवार को बदरीनाथ धाम सहित जोशीमठ के औली में इस सीजन की पहली बर्फबारी से पर्यटकों में खासा उत्साह है। बदरीनाथ धाम में गुरुवार को हुई बर्फबारी के चलते दो इंच से अधिक बर्फ जमने से तीर्थयात्री भी भगवान बद्री विशाल के दर्शन कर बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं।

बर्फबारी से स्थानीय व्यवसायियों को खासी राहत

वहीं विश्व प्रसिद्ध हिमक्रीडा स्थल औली

में इस सीजन की पहली बर्फबारी से स्थानीय व्यवसायियों को भी खासी राहत मिली है। बर्फबारी से औली में दो से आठ फरवरी को होने वाले नेशनल स्किंग चैंपियनशिप व अंतराष्ट्रीय स्तर की फीस रेस की सफल संचालन की उम्मीद जगी है। पिछले कई सालों से समय पर बर्फबारी न होने से शीतकालीन खेल की तिथि बढ़ने के वाद रद्द हो रही थी।

आने लगी होटलों की बुकिंग

इस साल अभी से औली जोशीमठ के लिए पर्यटकों की पूछताछ आने लग गईं है। 25 दिसंबर तक की होटलों की बुकिंग जोशीमठ औली में आने लगी है, पर्यटक भी औली में हुई पहली बर्फबरी से बेहद खुश हैं। जोशीमठ नृसिंह कॉम्प्लेक्स के मैनेजर प्रदीप मंद्रवाल का कहना है कि जिस तरह से इस साल नवम्बर माह से बर्फबारी शूरू हो गई है वह औली के भविष्य के लिए खुशखबरी है।

दून मेडिकल कॉलेज शुरू हुआ का नया ओटी ब्लाक मुख्यमंत्री ने आशा संगिनी एप भी किया लांच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 नवम्बर। दून व आसपास के मरीजों को एक बड़ी सौगात मिल गई है, शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून मेडिकल कॉलेज की नई ओटी, आईसीयू व इमरजेंसी बिल्डिंग का लोकार्पण किया। सात साल से बिल्डिंग का निर्माण चल रहा था।इसके बाद अब न केवल शहर बल्कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्र से आने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने आशा संगिनी एप भी लांच किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत भी उपस्थित रहे।

माड्यूलर आपरेशन थिएटर तैयार

प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना ने बताया कि डिप्टी एमएस डा. धनंजय डोभाल की अगुवाई में ओटी, निक्कू, पीकू आदि यहां शिफ्ट कर दिए गए हैं बाकी शिफ्टिंग की जा रही है। इसके अलावा पंजीकरण, बिलिंग व आयुष्मान योजना के काउंटर भी यहां शुरू कर दिए गए हैं।यहां माड्यूलर आपरेशन थिएटर तैयार किए गए हैं। ये ओटी उच्च स्तरीय मानकों के अनुसार बनाए गए हैं। जिनमें डिजिटल व हाईटेक उपकरण, बैक्टीरिया, वायरस से बचाव के लिए हेपा फिल्टर, आर्द्रता व तापमान नियंत्रित करने की व्यवस्था आदि शामिल है।एएनसी-पीएनसी वार्ड भी यहीं संचालित किए जाएंगे, कहा कि केंद्रीयकृत आइसीयू, इमरजेंसी, ट्रामा, बर्न यूनिट नई बिल्डिंग में शुरू होने से मरीजों को राहत मिलेगी। बता दें, पिछले दो सालों से कई बार इस बिल्डिंग की डेडलाइन बदली गई है।

प्रदेश में 12018 आशा तैनात

इस दौरान बताया गया कि एनएचएम के माध्यम से प्रदेश में 12018 आशा तैनात हैं। इनके माध्यम से मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण करने के अलावा स्वास्थ्य संबंधित डाटा तैयार किया जाता है।

आशा के काम की निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आशा संगिनी एप तैयार किया है। इससे उच्च अधिकारी उनके काम की मॉनीटरिंग करेंगे। काम के आधार पर उन्हें हर महीने ऑनलाइन भुगतान किया जाएगा। एनएचएम के तहत आशाओं को स्मार्ट फोन भी दिए जा रहे हैं।

कोचिंग संस्थानों पर उत्तराखंड पुलिस रखे नज़र : मुख्य सचिव

इलेक्शन मोड पर हो परीक्षाएं सम्पन्न कराने की व्यवस्था : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवम्बर। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित की जाने वाली चयन परीक्षाओं को शुचितापूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ कराए जाने के सम्बन्ध में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक आयोजित हुयी।

मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग को हस्तांतरित परीक्षाओं में से दिसम्बर माह में पुलिस आरक्षी, आईआरबी एवं अग्निशामक की परीक्षा सम्पन्न होनी है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को इस परीक्षा एवं आगे होने वाली अन्य परीक्षाओं को शुचितापूर्ण एवं पारदर्शिता से कराने हेतु फुल प्रूफ

प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को प्रश्न पत्रों को रखने हेतु डबल लॉक सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि परीक्षा केन्द्रों के लिए भी वीडियोग्राफी हेतु सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों में किसी भी प्रकार की कलाई में पहनने वाली घड़ी (स्मार्ट वॉच सहित), मोबाईल फोन एवं गैजेट्स को पूर्णतः प्रतिबन्धित रखा जाए। समय देखने हेतु परीक्षा केन्द्रों में घड़ी

- प्रश्न पत्रों को डबल लॉक एवं सीसीटीवी की निगरानी में रखा जाए
- परीक्षा का समय प्रातः 11.00 बजे से 01.00 बजे किया जाए

की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले परीक्षार्थियों मोबाईल एवं घड़ी रखने हेतु उचित व्यवस्था रखी जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षा का आयोजन जनपद स्तर पर समग्र तौर पर जिलाधिकारी की देखरेख में सम्पादित किया जाए।

आयोग के सहयोग के लिए प्रत्येक जनपद में नोडल अधिकारी की तैनाती की जाए। उन्होंने आयोग द्वारा भी भविष्य में होने वाली सभी परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्रों में Allowed and Not Allowed की पूरी लिस्ट का प्रचार-प्रसार किए जाने की अपेक्षा की। उन्होंने ने कहा कि आयोग द्वारा परीक्षाओं में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों हेतु ऑनलाईन ट्रेनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मुख्य सचिव ने परीक्षा केन्द्रों के चयन के सम्बन्ध में जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले समय में लगातार परीक्षाएं होनी हैं और आगे भी होती रहेंगी। उन्होंने कहा कि दिसम्बर माह में होने वाली परीक्षा में स्नो फॉल और मार्ग अवरूद्ध होने के कारण कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा देने से वंचित न रहे इसके लिए परीक्षा केन्द्रों के चयन में विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे परीक्षा केन्द्रों का चयन किया जाए जिनमें पर्याप्त वांछित व्यवस्थाएं परिपूर्ण हों। परीक्षार्थी समय से परीक्षा देने पहुंच सकें इसके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन की भी उचित व्यवस्था हो। उन्होंने परीक्षा के समय में परिवर्तन कर परीक्षा का समय 10.00 बजे से 12.00 बजे को बढ़ाकर प्रातः 11.00 बजे से 01.00 बजे किए जाने के निर्देश दिए ताकि दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई समस्या न हो।

मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को कोचिंग सेंटर्स की गतिविधियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उनके साथ बैठक कर जानकारी दी जाए कि नकल आदि की गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव ने परीक्षाओं के शुचितापूर्ण एवं पारदर्शितापूर्ण संचालन के लिए सभी जिलाधिकारियों से भी सुझाव भी मांगे।उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा कि परीक्षाओं के आयोजन में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। किसी भी प्रकार का लूपहोल नहीं छोड़ा जाएगा। अधिकारियों कर्मचारियों के लिए ऑनलाईन ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे।बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार एवं सचिव शैलेश बगोली सहित अन्य उच्चाधिकारी भी उपस्थित थे।

दिसम्बर में भिड़ेंगे सचिवालय बैडमिंटन क्लब के धुरंधर अन्तर्विभागीय होगी प्रतियोगिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवंबर। उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब की कार्यकारिणी की बैठक में बताया गया है कि राज्य विधान सभा का तृतीय सत्र, 29 नवंबर से बुलाये जाने की वजह से क्लब द्वारा अन्तर्विभागीय प्रतियोगिता के आयोजन की तिथि परिवर्तित किये जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा अन्तर्विभागीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। अन्तर्विभागीय प्रतियोगिता दिनांकः 26, 27 एवं 28 नवम्बर, 2022 को आयोजित की जानी थी, किन्तु विधान सभा सत्र के कारण सत्र में कार्मिकों की व्यस्थता के दृष्टिगत उक्त प्रतियोगिता अब दिनांकः 17-19 दिसम्बर, 2022 को आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

क्लब द्वारा आयोजित की जाने वाली यह एक प्रतिष्ठित बैडमिण्टन प्रतियोगिता है, जो राजकीय सेवा में कार्यरत कार्मिकों हेतु आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता में राज्य में स्थित केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों एवं निगम/स्वायत्तशासी संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। प्रतियोगिता में टीम ईवंट, युगल एवं एकल वर्ग के मुकाबले खेले जायेंगे तथा "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर कुल 32 प्रतिभागी टीम का चयन इस प्रतियोगिता हेतु किया जाना है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु अन्तिम तिथि दिनांकः 05.12.2022 निर्धारित की गयी है। इस तिथि के उपरांत किसी भी टीम को प्रतियोगिता में प्रतिभाग की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता में विजेता/उप विजेता टीम को नकद ईनामी राशि एवं ट्राफी प्रदान की जायेगी। प्रतियोगिता नॉक आउट आधार पर आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता का लाईव प्रसारण पर यू-ट्यूब पर किया जायेगा। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को मोमेण्टो एवं उपहार भी प्रदान किये जायेंगे। पूर्व में आयोजित बैठक में क्लब द्वारा इस वर्ष ईनामी राशि को बढ़ाये जाने का निर्णय लिया गया था। ईनामी राशि निम्नवत् रखी गयी है:-

क्रं0सं0 प्रतियोगिता धनराशि01 विजेता-टीम इवेंट 25,000/-(रू0 पच्चीस हजार)02 उप विजेता-टीम इवेंट 20,000/-(रू0 बीस हजार)03 उप विजेता (द्वितीय)-टीम इवेंट 15,000/-(रू0 पन्द्रह हजार)04 विजेता-ओपन सिंगल 3,000/-(रू0 तीन हजार)05 उप विजेता-ओपन सिंगल 2,000/-(रू0 दो हजार)06 विजेता-ओपन डबल 4,000/-(रू0 चार हजार)07 उप विजेता-ओपन डबल 3,000/-(रू0 तीन हजार)कुल योग 72,000/-(रू0 बहत्तर हजार)

बैठक का संचालन क्लब के महासचिव प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष पन्ना लाल शुक्ल, उपाध्यक्ष, महावीर चौहान, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह डुंगरियाल, संयुक्त सचिव, जे0पी0 मैखुरी एवं संजय जोशी, अन्तर्विभागीय प्रतियोगिता के संयोजक एस0एस0 सजवाण, प्रधान संपादक भूपेन्द्र सिंह बसेड़ा, कार्यकारिणी सदस्य पुष्कर सिंह नेगी, संदीप कुमार, राजीव नयन पाण्डेय, डॉ आशीष कुमार मिश्र, रमेश सिंह बर्त्वाल, सोनिया मलिक एवं रंजना उपस्थित थे।

संपादकीय

आधुनिक शिक्षा के वास्तुकार थे मौलाना आजाद

भारतीय समाज को सजाने-संवारने में जिन महापुरुषों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उनमें एक नाम मौलाना आजाद का भी है. वे एक सहाफी, सियासतदां, जंग-ए-आजादी के मुजाहिद तो थे ही, महान शिक्षाविद भी थे. इन्हें आजाद हिंदुस्तान में आधुनिक शिक्षा का आर्किटेक्ट कहा जाए, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. आजाद भारत किस तरह प्रगति के रास्ते पर चलेगा, इसका एक सपना गांधी जी ने घरेलू उद्योग का स्वरूप लिये आत्मनिर्भर गांव के रूप में देखा था, जो शक्तिशाली भारत का आधार होगा. दूसरी ओर जवाहरलाल नेहरू एवं उनके साथियों की सोच थी कि भारत आधुनिक बड़े उद्योग और आर्थिक सक्रियता का बड़ा केंद्र बने, ताकि विकसित देशों के साथ खड़ा हो सके. मौलाना आजाद ने इन दोनों विचारों के बीच सामंजस्य बनाते हुए एक ऐसी शिक्षा नीति पेश की, जिसमें प्राचीन शिक्षा और सभ्यता का समावेश भी है. गांव की मिट्टी की सुगंध, संस्कृति और सभ्यता का अद्भुत मिश्रण है. अबुल कलाम आजाद की शख्सियत एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक युग की थी. वे कहते हैं- 'हम अपने भौतिक धन और साज-ओ-सामान को भौगोलिक सीमाओं में कैद कर सकते हैं, लेकिन इल्म व तहजीब की दौलत पर पाबंदी नहीं लगा सकते. वह तो इंसान की मीरास है.' मौलाना के जेहन में यह बात साफ थी कि शिक्षा केवल कारोबारी या आर्थिक समस्या नहीं है. मौलाना के नजदीक तालीम का उद्देश्य था कि इंसान के व्यक्तित्व में चमक पैदा हो. हमेशा पुनर्निर्माण की तरफ अपने व्यक्तित्व की स्वतंत्र रूप से सरंचना कर अपनी पहचान बनायी जाए. जब देश आजाद हुआ, तो मौलाना आजाद शिक्षा मंत्री बने. उस समय महात्मा गांधी जीवित थे और जवाहरलाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री थे. महात्मा गांधी का अपना शैक्षणिक दृष्टिकोण था. वे देश को मशीनों के हाथों में देने पर सहमत नहीं थे और न उसे मशीनों की हुकूमत की तरफ ले जाना चाहते थे. वे बड़े उद्योगों की तुलना में गांव की तरक्की और घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित करने के पक्ष में थे. नेहरू बड़े उद्योगों की स्थापना के हक में थे. ऐसी स्थिति में प्रश्न यह था कि देशवासियों को किस तरह की शिक्षा दी जाए? मौलाना ने बीच का रास्ता निकाला. उन्होंने तय किया कि हमारे विद्यार्थी ऐसे निकलें, जो बड़े उद्योग चला सकें और साइंस व टेक्नोलॉजी के नये-नये आविष्कार पर काबू पा सकें, साथ ही घरेलू उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल सके. अपनी इस योजना को साकार करने के लिए मौलाना आजाद ने प्रसिद्ध वैज्ञानिक शांति स्वरूप भटनागर के नेतृत्व में विज्ञान के उच्च शोध संस्थान की स्थापना की. एटमी तरक्की का एक अलग संस्थान स्थापित किया गया. इसके अलावा विज्ञान, कृषि, चिकित्सा आदि में शोध एवं अनुसंधान के शीर्ष संस्थानों की स्थापना की गयी.

डीएम युगल किशोर पंत ने सितारगंज के ग्राम बिडौरा की समस्याएं सुनी, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर, 11 नवम्बर। जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने जिला कार्यालय से ई-चौपाल के माध्यम से विकासखण्ड सितारगंज के ग्राम बिडौरा की समस्याएं सुनी। इस दौरान ई-चौपाल में दर्ज हुई 23 समस्याएं, 11 समस्याओं का मौके पर किया गया निस्तारण , जन समस्याओं के निस्तारण के लिए यूएस नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने जिला कार्यालय के सभागार से 53 मिनट तक चली ई-सामाधन चौपाल के माध्यम से बिडौरा गांव की समस्याएं सुनी। ई-चौपाल में सर्वाधिक समस्याएं आवास, बिजली, सड़क, पेयजल, राशन कार्ड से सम्बन्धित थीं। विनोद सिंह, कुलविन्दर कौर, ने अन्त्योदय एवं सफैद राशन कार्ड बनवाने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देश दिये कि ग्राम सभा की खुली बैठक कराकर सफैद राशन कार्ड धारकों के नाम पर चर्चा करते हुए अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाकर पात्र व्यक्तियों का चयन किया जाये। मुन्नी देवी ने शौचालय निर्माण की धनराशि प्राप्त न होने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर मुन्नी देवी के खाते में मनी ट्रांस्फर कराने के निर्देश परियोजना निदेशक को दिये।

इसके साथ ही पुष्कर शर्मा, नैन सिंह, लाल सिंह राणा, मोहन सिंह, पीताम्बर बहुगुणा ने भी विद्युत पोल लगवाने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को मौका मुआयना करते हुए प्राथमिकता से कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बिजेन्द्र सिंह ने स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी को पात्रता के आधार पर योजना से लाभांवित कराने के निर्देश दिये। जितेन्द भट्ट ने खुशाल बिष्ट के घर से नित्यानन्द के घर तक मार्ग निर्माण की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश अधिशासी अभियंता लोनिवि को दिये। इसके साथ ही गुरबक्श सिंह, जसवन्त सिंह, बबली कौर, गुरनाम सिंह, कविता देवी, सीमा राणा आदि ने आवास की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो भी समस्या ई-समाधान चौपाल में आयी है उसे प्राथमिकता के अधार पर शीघ्र समाधान कराना सुनिश्चित करें, जिससे की किसी को भी छोटी-छोटी समस्याओं के लिये अनावश्यक ईधर-उधर चक्कर न लगाना पड़े। ई-चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी वीके वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध सहित सम्बन्धित अधिकारी वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे।

देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा प्रारम्भ किया जा रहा है 'दून वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता-रंगोत्सव-2'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवम्बर। स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा इस वर्ष ₹दून वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता₹ के दूसरे संस्करण ₹रंगोत्सव 2₹ का आयोजन किया जा रहा है । इस संस्करण का विषय उत्तराखंड की संस्कृति, विरासत और वन्य जीवन है। इन्ही विषय पर प्रतिभागियों को चित्रकारी करनी होगी। प्रतिगोगिता में एक या एक से अधिक लोगों की टीम हिस्सा ले सकती है। प्रतियोगिया में प्रतिभाग करने हेतु पंजीकरण 12 नवंबर से 30 नवंबर तक किया जा सकता है। प्रतिगोगिता हेतु देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा एक फॉर्म तैयार किया गया है, प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए फॉर्म भरकर अपना पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण हेतु गूगल फॉर्म का लिंक निम्न है https://tinyurl.com/Rangotsav-2देहरादून स्मार्ट सिटी के प्रथम चरण में लगभग 26 टीमों ने प्रतिभाग किया था। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका जी ने कहा की इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हम प्रतिभागियों का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि आप हमारे खूबसूरत राज्य और इसके समृद्ध इतिहास और संस्कृति से प्रेरित होंगे तथा रंगोत्सव के प्रथम चरण की तरह दुसरे संस्करण को भी सफल बनाने में सहयोग करेंगे ।

देहरादून में वैली ऑफ वर्ड्स इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में दो दिवसीय वैली ऑफ वर्ड्स इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल आज से शुरू हो रहा है। इस आयोजन का शुभारंभ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करेंगे। इस वैली ऑफ वर्ड्स में देश विदेश के साहित्यकार प्रतिभाग कर रहे हैं। इस आयोजन में राज्य सरकार के सूचना विभाग ने भी हिस्सेदारी कर इस माध्यम से देश और दुनिया तक उत्तराखंड की संस्कृति को पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा। कभी दून से ही इस वैली ऑफ वर्ड्स लिटरेचर फेस्टिवल की शुरुआत हुई थी और अब इसका छठा संस्करण आयोजित हो रहा है। इस लिटरेचर फेस्टिवल को देश में पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 100

लेखक प्रतिभाग करेंगे। 40 सत्र आयोजित होने के साथ 5 प्रदर्शनियां भी आयोजित होंगी, जबकि 12 पुस्तकों का भी विमोचन किया जायेगा। कई ग्रुप डिस्कशन भी इस अवसर पर आयोजित होंगे। विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार इस वैली ऑफ वर्ल्ड इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा फिल्म विकास परिषद के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की जानकारी देंगे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

7वां देहरादून इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल 2022 शुरू

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 नवंबर। उत्तराखंड टैलेंट हंट फेस्टिवल द्वारा आयोजित उत्तराखंड टैलेंट हंट की रंगारंग शुरुआत आज कैबिनेट मंत्री उत्तराखंड चंदन राम दास जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई उन्होंने कार्यक्रम के दौरान आंगन बाजार में खादी एंटरप्रेन्योर्स द्वारा लगाए गए दोनों की तारीफ की उत्तराखंड टैलेंट हंट की भी सराहना की उन्होंने कहा कि फिल्म फेस्टिवल के आयोजकों द्वारा जो सराहनीय प्रयास किया गया है जिससे उद्यमियों एवं प्रदेश के युवाओं को एक मंच प्रदान किया जा रहा है उन्होंने कहा कि खादी विभाग हमेशा से उद्यमियों के विकास के लिए अग्रसर रहा है एवं भविष्य में भी उनके लिए कार्य करता रहेगा। आज से देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत सिल्वर सिटी में बहुत ही धूमधाम से हुई जिसमें आंगन बाजार लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन एवं कुटिया का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान महेंद्र भट्ट जी द्वारा एवं सिने कलाकार बृजेंद्र काला जी द्वारा किया गया इस मौके पर उन्होंने रिबन काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया साथी सभी स्थानों पर जाकर सभी प्रतिभागियों उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया इस मौके पर उन्होंने सभी उद्यमियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन देहरादून में बहुत कम होते हैं जहां पर उद्यमियों को इस तरह का इतना बड़ा प्लेटफार्म प्रदान किया जाए जहां पर सीने कलाकार उन को प्रोत्साहित करने के लिए मौजूद हो उन्होंने आयोजक श्री राजेश शर्मा जी की इस प्रयास की सराहना करते एवं बधाई देते हुए हुए कहा कि उन्हें इस तरह के आयोजन अगले कई सालों तक करते रहना चाहिए जिससे प्रदेश के विकास को एक नई दिशा मिल सके।

आंगन बाज़ार भी फिल्म फेस्टिवल का आकर्षण बना

अरशद मलिक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,11 नवंबर। देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत सिल्वर सिटी में बहुत ही धूमधाम से हुई जिसमें आंगन बाजार लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन एवं कुटिया का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान महेंद्र भट्ट जी द्वारा एवं सिने कलाकार बृजेंद्र काला जी द्वारा किया गया इस मौके पर उन्होंने रिबन काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया साथी सभी स्थानों पर जाकर सभी प्रतिभागियों उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया इस मौके पर उन्होंने सभी उद्यमियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन देहरादून में बहुत कम होते हैं जहां पर उद्यमियों को इस तरह का इतना बड़ा प्लेटफार्म प्रदान किया जाए जहां पर सीने कलाकार उन को प्रोत्साहित करने के लिए मौजूद हो उन्होंने आयोजक श्री राजेश शर्मा जी की इस प्रयास की सराहना करते एवं बधाई देते हुए हुए कहा कि उन्हें इस तरह के आयोजन अगले कई सालों तक करते रहना चाहिए जिससे प्रदेश के विकास को एक नई दिशा मिल सके